1) *A tabour, a small drum.* 2) *A double drum.*). Dr. 7. 6.

मृदा *f.* (r. मृद् s. आ) *i.q.* 2. मृद्. (Goth. *mulda* pulvis.)

मृदु (*Fem.* द्वी, r. मृद् s. उ) tener, mollis, mitis, suavis. In. 5. 6. N. 11. 34.; AGHR. 9. 57.: कृपामृदुमनस्. — Tardus, lentus. Sa. 4. 32. 5. 105.: मृदुगामिनी. (Gr. βλαδύς e μλαδύς sicut βροτός e μροτός; lat. *mollis* per assimil. e *molvis* pro *modvis* vel *morvis*, mutato *d* vel *r* in *l*; nostrum *mild*; germ. vet. *milti*; anglo-sax. *mild*; hib. *meirbh* «slow, tedious, weak»; russ. *molodyĭ* juvenis.)

मृध् 1. *P. A.* (उन्दे *K.* क्लिदि *V.*) humidum esse, humectari. — *In dial. Vêd.* occidere (v. Westerg.) Rigv. V. 73. 4.: मा नो मर्धिष्टम्; 25. 4.: न मर्धीः. (V. मृध et cf. मृ, मृद्.)

मृध *n.* (r. मृध् s. अ) pugna. H. 4. 9. N. 12. 82.

मृन्मय (a मृद् *f.* suff. मय, v. *euph. r.* 85.) terreus, luteus, ex argilla confectus. Sa. 2. 13.

मृश् 6. *P.* 1) tangere. 2) considerare, reputare. *Saepe scripturâ confunditur cum* मृष्. (V. मृज् et cf. lat. *mulcere*; fortasse hib. *mear* «a finger, a toe» a tangendo nominatum; *mearacht* «a fingering or the act of touching a musical instrument».)

c. अनु considerare, reputare. R. Schl. II. 11. 9.: हृदयम् अप्य् एतद् अनुमृश्यो ऽहस्व मे.

c. परा 1) tangere, attingere. Mr. 166. 20.: जलधर निर्लजस् त्वम् यन् माम् ... स्तनितेन भीषयित्वा धाराहस्तैः परामृशसि; N. 16. 15.: हस्तिहस्तपरामृष्टाम् ... पद्मिनीम्; Sak. 125. 3.: वयस्य कः पतिव्रताम् अन्यः परामर्ष्टुम् उत्सहते. Mulcere, permulcere. Ragh. 3. 68.: परामृशन् हर्षचलेन पाणिना तदीयम् अङ्गम्. — नारीम् stuprare. Bhatt. 17. 38.: नारीर् अन्यदीयाः परामृशन्; Mah. 3. 16153.: शप्तो ह्य् एष पुरा पापो वधूं रम्भाम् परामृशन् (sic legendum pro परामृषन्). 2) prehendere, capere. Bhatt. 12. 16.: शूलानि परामृशन्तः; Mah. 4. 461.: प्रधावन्तीङ् केशपाशे परामृशत्.

c. परि 1) mulcere. R. Schl. II. 10. 25.: स्नेहात् परिममर्श ताम्; 26.: परिमृश्यच पाणिभ्याम्. 2) prehendere. R. Schl. II. 23. 5.: खड्गम् परिमृशन् रोषात्. 3) considerare, reputare. R. Schl. I. 2. 20.: वाक्यन् तत् परिमृश्य.

c. वि 1) mulcere. R. Schl. II. 20. 32.: विममर्शच पाणिना. 2) considerare, reputare. Sa. 1. 30. Bh. 18. 63. *Etiam A.* Mah. 3. 15477.: वाक्यम् विममृशे (ed. Calc. विममृषे) धिया.

c. वि praef. प्र considerare, reputare. Dr. 6. 7.: तत् प्रविमृश्य राज्ञा प्रोवाच.

1. मृष् 1. 4. et 10. *P. A.* tolerare, sustinere, perferre. Man. 4. 217.: मृष्यन्ति येचो ऽपपतिम्; R. Schl. I. 1. 74.: ममर्ष राक्षसान् वीरो मन्त्रिणस् तान् यदृच्छया; Man. 8. 313.: यः क्षिप्तो मर्षयत्य् आर्तैः; Mah. 5. 416.: कच्चित् कालम् इमन् देवा मर्षयध्वम्; 2. 1571.: दुःखम् महन् मर्षयामि. — न मृष् non perferre = irasci (v. अमर्ष, अमर्षण) *c. acc. rei.* Mah. 1. 5135.: ना ऽमृष्यत वचो ऽस्य तत्. *Absol.* Mah. 3. 706.: स तैर् अभिहतः सङ्ख्ये ना ऽमर्षयत. — Condonare. Ur. 76. 2. *infr.*: मर्षयतु महाराजः. (Cf. भृ, unde fortasse मृष्, mutato भ् in nasalem ejusdem organi, additâ sibilante.)

c. वि *i. q. simpl.* Mah. 3. 15441.

2. मृष् 1. *P.* (सेचने) conspergere, irrigare. *Cf.* वृष्.

मृषा *Adv.* falso. Lass. 57. 9.

मृष्ट v. मृज्, मृश्.

मृल् v. मृड्.

मृळ् v. मृड्.

मे 1. *A.* mutare, commutare. (Cf. मा; lith. *mai-nas* commutatio, *mainau* muto, commuto; russ. *mje-na* commutatio, *mjenaju* muto, commuto; lat. *mu-to*; gr. ἀ-μεί-βω.)

मेखला zona, cingulum *praesertim feminarum.* Ragh. 8. 63. 6. 63.

मेघ *m.* (r. मिह् e मिघ् s. अ) nubes. (Goth. *milh-ma* nubes, insertâ liquidâ; lith. *mig-la* nebula; gr. ὀ-μίχ-λη.)

मेघनिर्घोष (*Bah.* e praec. et निर्घोष *m.* strepitus) nubis strepitum habens. N. 21. 11.